महात्मागाँधीकेन्द्रीयविश्वविद्यालयः, बिहारः

मानविकी एवं भाषासङ्कायः

संस्कृतविभागः

पीएच्.डी. पाठ्यक्रमः

प्रथमसत्रम् (1st Semester):- **क्रेडिट योगः - 12**

Compulsory Courses

कूटसङ्ख्या	पाठ्यशीर्षकम्	पाठ्यविषयाः	क्रेडिट	
SNKT6001	संस्कृतशोधप्रविधिः	शोधपरिभाषा संस्कृतशोधस्य च मूलसिद्धान्ताः संस्कृतशोधसमस्यानां विविधशोधपत्राणाञ्च परिज्ञानम् शोधपत्र-शोधपरियोजना-शोधाध्ययन-शोधसर्वेक्षण-ग्रन्थसमीक्षा-सन्दर्भानाञ्च प्रारूपाः	4	
SNKT6002	पाण्डुलिपिविज्ञानं शोधप्रकाशनाचारश्च	पाण्डुलिपिविज्ञानम्	2	4
		शोधप्रकाशनाचारश्च	2	

Elective Courses

अधोनिर्दिष्टेषु विषयेषु कस्याप्येकस्य चयनं कर्त्तव्यम्

कूटसङ्ख्या	पाठ्यशीर्षकम्	पाठ्यविषयाः	क्रेडिट
SNKT6003	वैदिकाध्ययनं शोधश्च	वैदिकवाङ्मये शोधस्य मूलसिद्धान्ताः वैदिकवाङ्मये शोधोपकरणानि प्रक्रिया च वैदिकवाङ्मये समुद्भूतशोधसर्वेक्षणम्	4
SNKT6004	संस्कृतकाव्यं काव्यशास्त्रञ्च	संस्कृतकाव्यशास्त्रे शोधस्य मूलसिद्धान्ताः संस्कृतकाव्यशास्त्रे शोधोपकरणानि प्रक्रिया च संस्कृतकाव्यशास्त्रे समुद्भूतशोधसर्वेक्षणम्	4
SNKT6005	भारतीयदर्शनशास्त्रम्	भारतीयदर्शनशास्त्रे शोधस्य मूलसिद्धान्ताः भारतीयदर्शनशास्त्रे शोधोपकरणानि प्रक्रिया च भारतीयदर्शनशास्त्रे समुद्भूतशोधसर्वेक्षणम्	4
SNKT6006	संस्कृतव्याकरणशास्त्रम्	संस्कृतव्याकरणशास्त्रे शोधस्य मूलसिद्धान्ताः संस्कृतव्याकरणशास्त्रे शोधोपकरणानि प्रक्रिया च संस्कृतव्याकरणशास्त्रे समुद्भूतशोधसर्वेक्षणम्	4
SNKT6007	धर्मशास्त्रम्	धर्मशास्त्रे शोधस्य मूलसिद्धान्ताः धर्मशास्त्रे शोधोपकरणानि प्रक्रिया च धर्मशास्त्रे समुद्भूतशोधसर्वेक्षणम्	4
SNKT6008	पुराणेतिहासः	पुराणेतिहासे शोधस्य मूलसिद्धान्ताः पुराणेतिहासे शोधोपकरणानि प्रक्रिया च पुराणेतिहासे समुद्भूतशोधसर्वेक्षणम्	4

Ph.D.
Compulsory Course

COURSE CODE- **SNKT6001** **CREDIT - 04**
COURSE TITLE- संस्कृतशोधप्रविधिः

Course Objectives:

To impart a scientific analytical approach to the Scholars of Sanskrit to enhance and develop a systematic investigative strategy to solve the emerging conflicts through Research and observations and to gather an in depth of knowledge, emphasizing a conceptual analysis with proper review of available information.

Course Contents:

1. Fundamental Principles of Research in Sanskrit and its significance.
2. Problems and Limitations of Research in Sanskrit.
3. Introduction and description of Research Papers.
4. Importance of Research Survey and Literature Review.

Recommended reading

- अनुसंधान प्रक्रिया एवं रुपरेखा, डॉ. देवीदास यशवंत इंगळे, अमन प्रकाशन, कानपुर.
- अनुसन्धान-सम्पादन-प्रविधिः, म. म. डॉ. वागीश शास्त्री, वाग्योग चेतनाप्रकाशनम्, वाराणसी.
- आधुनिक शोध प्रणाली, दीपिका भारद्वाज, रितु पब्लिकेशन्स, जयपुर.
- वैदिक-शोध प्रविधि, डॉ.कृष्ण लाल, दिल्ली.
- शोध प्रविधि, हरीश कुमार शास्त्री, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल.
- शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपिविज्ञान, डॉ. अभिराजराजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद.
- संस्कृत- शोध-प्रविधि, प्रो. प्रभुनाथ द्विवोदी, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी.
- शोध प्रविधि. विनयमोहन शर्मा, National Publishing House, 2018.
- Methodology in Indian Research, by M.Srimannarayana Murti, Bharatiya Book Corporation, 2018.
- Elements of Research Methodology in Sanskrit, Keśavacandra Dāśa, Chaukhambha Sanskrit Sansthan, 1992
- Research in indology a new perspective, Dr. Rabindra Kumar Panda, Bharatiya Kala Prakashan, Delhi.

Ph.D.
Compulsory Course

COURSE CODE- **SNKT6002** **CREDIT - 04**
COURSE TITLE- पाण्डुलिपिविज्ञानं शोधप्रकाशनाचारश्च

Course Objectives:

This course will make students acquainted with the types of manuscripts, the method of preserving manuscripts, their editing, and others so that they can take up this project for bringing out hidden wisdom enshrined in the large number of manuscripts. Students will also be trained in area of Research and Publication Ethics.

Course Contents:

A. Manuscriptology –

1. Manuscripts: Form and content, structure, and contents of literature.
2. Methods of Manuscript- presentation.
3. Manuscript's collections and editing including critical edition.
4. Computer applications.

B. **Research and Publication Ethics-**

Recommended readings:

- तत्त्वबोध (सम्पा.) दीप्ति त्रिपाठी, राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, दिल्ली।
- पाण्डुलिपि गठन एवं भाषा विज्ञान, डॉ. विक्रम सिंह भाटी, राजस्थानी शोध संस्थान, जोधपुर.
- पाण्डुलिपि विज्ञान, डॉ. सत्येन्द्र, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर.
- भारतीय पाण्डुलिपि विज्ञान, कुमुदिनी पाण्डेय, महावीर प्रेस, वाराणसी।
- भारतीय पुरालिपि एवं अभिलेख, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, १९९४।
- विश्व के प्राचीन संस्कृत अभिलेख, लक्ष्मी विलास पार्थसारथी, वाणीविलास प्रकाशन, ऋषिकेश।
- शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान, अभिराज राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।
- Murthy, R.S. Shivaganesh, Introduction to Manuscriptology, Sharada Publication House, Delhi, 1996.
- Katre, S.M. (with P.K.Gode), Introduction to Indian Textual criticism, Poona Deccan College, 1954.
- Thakur, Jayant P., Manuscriptology and Text Criticism, Oriental Institute, Baroda.
- Pandurangi, K.T. Wealth of Sanskrit Manuscripts in India & Abroad, Bangalore.
- Katre, S.M. (with P.K.Gode), Introduction to Indian Textual Criticism, Poona: Deccan College,1954
- Satyanath, (Dr.), Pāḍulipi Vijñāna, Jaipur: Rajsthan Hindi Granthamala Akedemi,1978

Select any one Elective Course out of six courses.

Ph.D.

Elective Course

COURSE CODE- **SNKT6003** **CREDIT - 04**

COURSE TITLE- वैदिकाध्ययनं शोधश्च

Course Objectives:

To protect and promote a rational scientific outlook towards Vedic Literature. To dispense a thorough understanding of the relevance of Vedic Literature to restore the analytical skills of the students. To foster and generate knowledge of Vedic studies by adopting modern methods of research and development.

Course Contents:

1. Fundamentals Principles of Research in Vedic Literature.
2. Tools and Methodology of Research in Vedic Literature.
3. Research Observations in Vedic Literature.

Recommended readings:

- अथर्ववेद संहिता, सायणभाष्य सहित, सं.विश्वबन्धु, विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोध संस्थान, होशियारपुर, १९६२
- अथर्ववेद संहिता, सं.एवं अनु. श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, वैदिक स्वाध्याय मण्डल पारडी, १९५०
- ऋग्वेदभाष्यभूमिका, महर्षिदयानन्द सरस्वती, परिमल पाब्लिकेशन्स, दिल्ली, २०१९।
- यजुर्वेद संहिता,महर्षिदयानन्दभाष्य सहित,सं.युधिष्ठिर मीमांसक,रामलाल कपूर ट्रस्ट, सोनीपत,१९६१
- वेदभाष्यभूमिकसंग्रहः, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, गोपाल मन्दिर लेन, वाराणसी।
- वैदिक मीमांसा,डॉ.शशिप्रभा कुमार,जे.पी.पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली,१९९६
- वैदिक विचार-धारा का वैज्ञानिक अध्ययन, डॉ.सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली,२००२
- शतपथ ब्राह्मण, स्वामी समर्पणानन्द, वैदिक शोध संस्थान, साहिबाबाद
- शतपथब्राह्मणम्, युगल किशोर मिश्र, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
- शुक्ल-यजुर्वेद,(अनु.) टी.एच.ग्रिफिथ, वाराणसी,१९२७
- श्री अरविन्द, वेद रहस्य, पंचम आवृत्ति, २००९, अनु.- जगन्नाथ वेदालङ्कार, श्री अरविन्द आश्रम प्रेस पण्डचेरी।
- श्रीमद्वाजसनेयिमाध्यन्दिन, शतपथब्राह्मणम्, सायणाचार्य विरचित वेदार्थप्रकाश व्याख्या सहित, सर्व विद्यानिधान कविन्द्राचार्य सरस्वती श्री हरिस्वामी, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, 1990.
- Shukla-Yajurved- Samhita, Pt. Jagdish Lal Shastri, MLBD, 2007
- *Hymns of the Atharvaveda*, (Eng. tr.), R.T.H. Griffith, Delhi.
- Dandekar, R.N., *Vedic Bibliography*, (Vol. I and II), Pune: Bhandarkar Oriental Research Institute, 1978.
- *TheTexts of the White Yajurveda*, (Eng. tr.) R.T.H. Griffith, Delhi: Munshiram Manoharlal, 1987.
- *Shatapatha Brahmana*, (ed. tr.) G.P. Upadhyaya, Delhi: R. I.A.S.S., 1967.
- Sri Aurobundo: Secret of the Veda, Sabda distributor of the Sri Aurobindo Ashram Publications, Third edition 1971, Pondicherry.
- Vedic Hermenutics, K.S. Murthy, Delhi: MLBD, 1993.
- Rgbhasyabhumika, Sayana, Ed. Haridutt Shastri, Varanasi: Visvavidyalaya Prakashan, 1972.
- Macdonell, A.A., *A Vedic Grammar for Students*, Delhi: Motilal Banarsidass, 1979.

Ph.D.
Elective Course

COURSE CODE- **SNKT6004** **CREDIT - 04**
COURSE TITLE- संस्कृतकाव्यं काव्यशास्त्रञ्च

Course Objectives:

The aim is to enhance and promote logical reasoning through composed acquisitional aspects and analytical understanding of Sanskrit Language and Literature towards embedding a critical analytical approach to acknowledge and accept the validity and implications of Sanskrit Literature in the contemporary Indian culture and society.

Course Contents:

1. Fundamental Principles of Research in Sanskrit Poetry and Poetics
2. Tools and Methodology of Research in Sanskrit Poetry and Poetics.
3. Research Observation in Sanskrit Poetry and Poetics.

Recommended readings:

- आधुनिक संस्कृत काव्य परम्पराएँ, केशवराव मुसलगॉंवकर, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, २०००.
- काव्यप्रकाश, आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड,वाराणसी
- काव्यप्रकाश, वासुदेव शास्त्री अभ्यंकर, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- काव्यप्रकाश, श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
- ध्वन्यालोकः, आचार्य जगन्नाथ पाठक, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी.
- नाट्यशास्त्र का इतिहास, डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी.
- नाट्यशास्त्र, आचार्य रेवाप्रसाद द्विवेदी, आर्यन बुक् इन्टरनेशनल, 2005.
- भारतीय नाट्य परम्परा और अभिनव दर्पण, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली.
- रसगङ्गाधर, डॉ.मदन मोहन झा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी.
- रसगङ्गाधर, पुरुषोत्तम शर्मा चतुर्वेदी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी,
- विंशशताब्दीयसंस्कृतमहाकाव्यम्, राजेन्द्र मिश्र, दिल्ली संस्कृत आकादमी, दिल्ली,
- संस्कृत साहित्य- बीसवी शताब्दी, राधावल्लभ त्रिपाठी, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, दिल्ली, १९९९.
- संस्कृत-वाङ्मय का बृहत् इतिहास, श्रीबलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ.
- Mrcchakatika, M.R. Kale, M.L.B.D., Delhi.
- Post Independence Sanskrit Literature : Article survey, Manibhai k Prajapati, Poona 2005.
- Sanskrit Natak (A.B Keith), Translate by Udaybhanu Singh, MLBT, Delhi.
- Studies in Dramatic Criticism, T.G. Mainkar, MLBD, Delhi.
- The Sanskrit Drama, A.B. Keith, Oxford University Press, 1964.

Ph.D.
Elective Course

COURSE CODE- **SNKT6005** **CREDIT - 04**
COURSE TITLE- भारतीयदर्शनशास्त्रम्

Course Objectives:

Investigate and identify Indian Ancient Philosophies signifying its practice and relevance in contemporary society scientifically and systematically. Develop an effective approach and insight with sufficient usefulness and impact of our diverse Indian Philosophy signifying its ability to transform and redefine our society and develop a critical understanding of Darshanshashtra.

Course Contents:

1. Fundamental Principles of Research in Indian Philosophy.
2. Tools and Methodology of Research in Indian Philosophy.
3. Research Observations in Indian Philosophy.

Recommended readings:

- चार्वाक दर्शन, आचार्य आनन्द झा, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
- जैनदर्शन, डॉ. महेन्द्रकुमार जैन, श्री गणेशप्रसाद वर्णी, जैन ग्रन्थमाला, काशी।
- न्यायदर्शन, उदयवीर शास्त्री, विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली
- न्यायसिद्धान्तमुक्तावली, विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य, व्याख्या. धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री, मोतिलाल बनारसीदास, दिल्ली, २०००.
- पातञ्जलयोगसूत्राणि, हरिनारायण आप्टे, आनन्दाश्रम मुद्रणालय
- पूर्वमीमांसादर्शनम्, महादेव शास्त्री, गवर्नमेन्ट ब्राञ्च प्रेस, मैसूर
- ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्, व्याख्या. श्रीगोविन्दानन्द, चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी, 1986
- मीमांसादर्शनम्, डॉ. उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- योगसूत्रभाष्यम्, स्वामी सच्चिदानन्द योगी सरस्वती, सच्चिदानन्द योग मिशन, दिल्ली
- वेदान्तदर्शन, हरिकृष्णदास, गीताप्रेस, गोरखपुर, 2009
- वैशेषिकसूत्रोपस्कार, शंकरमिश्र, व्याख्या. आचार्य ढुण्ढिराज शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी, १९६९.
- षड्दर्शन-रहस्य, पं. रङ्गनाथ पाठक, राष्ट्रभाषा परिषद, पाटना, १८८०
- सर्वदर्शनसंग्रह, प्रो. उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी २००९.
- Brahma sutra, Sri Swami Sivananda, The Divine Life Society, Garhwal
- SARVA-DARSANA-SAMGRAHA, T.G. Mainkar, Bhandarkar Oriental Research Institute.
- SARVADARSHAN SAMGRAH, Pandit Udaya Narayan Singh, Khemraj Shrikrishnadass Publication, Bombay.
- The Purva Mimamsa Sutras of Jaimini. Pt. Ganganath Jha.

Ph.D.

Elective Course

COURSE CODE- **SNKT6006** **CREDIT - 04**

COURSE TITLE- संस्कृतव्याकरणशास्त्रम्

Course Objectives:

To imbibe a diversified thinking process with vision towards excogitative analytical processes and inventive understanding of Sanskrit Grammar and develop a linguistic analysis process to determine the originality and accuracy of vivid ideas and concepts to establish a systematic and accurate observation of Sanskrit Vyakarana Shastra.

Course Contents:

1. Fundamental Principles of Research in Sanskrit Vyakarana Shastra.
2. Tools and Methodology of Research in Sanskrit Vyakarana Shastra.
3. Research Observation in Sanskrit Vyakarana Shastra.

Recommended readings:

- पाणिनीयव्याकरणे स्त्रीप्रत्ययानामध्ययनम्, ग्रन्थकारः- डॉ.शिवकान्त.झा, हंसा.प्रकाशन, जयपुर, १९९४
- महाभाष्यसमीक्षणम्, व्याख्याकार- डॉ.गिरीशचन्द्र त्रिपाठी, श्रीबटुकप्रकाशनम्, हरिद्वार.
- वाक्यपदीयब्रह्मकाण्डः, व्याख्याकारः- पण्डितवेदान्दझा, मन्दाकिनी संस्कृत विद्वत्परिषद्, दिल्ली, 2002
- वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्डम) अम्बाकर्त्रीव्याख्यायुतम्, व्याख्याकारः- पण्डितरघुनाथशर्मा, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, १९८८
- वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्डम्), विवरणकार- डॉ. शिवशङ्कर अवस्थी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2006
- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (द्वितीयभाग), व्याख्याकार- गोपालदत्तपाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी,
- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (द्वितीयोभागः), व्या० महामहोपाध्यायः गिरिधरशर्मा चतुर्वेदी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, २००६
- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, गोविन्दाचार्य, चौखम्बा सुरभरती प्रकाशन, वाराणसी.
- व्याकरणमहाभाष्य, चारुदेवशास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- व्याकरणमहाभाष्यम् – टीका. पं० मधुसूदन मिश्र, सम्पा. आचार्य युधिष्ठिर मीमांसक, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- व्याकरणमहाभाष्यम् (महर्षिपतञ्जलि)- टीकाकार- डॉ. हरिनारायण तिवारी- चौखम्बा पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली.
- समाससन्दर्शिका- लेखक डॉ. बालगोविन्द झा,चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी १९९०
- सिद्धान्तकौमुदी (समासप्रकरण)- व्या० आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- Vakyapadiya of Bhartrihari, Critically edited by K A S Iyer, Deccan College, Poona 1966

Ph.D.
Elective Course

COURSE CODE- **SNKT6007** **CREDIT - 04**
COURSE TITLE- धर्मशास्त्रम्

Course Objectives:

Developing a critical approach and analyzing the cultural aspects and practices of original information and textual content to generate and identify the primary purposes of Dharmashashtra and its relevance in form of ethical and composite responsibilities towards self and society in the contemporary times, to get connected to our timeless and precious customs and logically evaluate the information of our ancient Dharmashashtra and foster a critical analysis of the erudition.

Course Contents:

1. Fundamental Principles of Research in Dharmashashtra.
2. Tools and Methodology of Research in Dharmashashtra.
3. Research Observations in Dharmashashtra.

Recommended readings:

- धर्मशास्त्र का इतिहास, महामहोपाध्याय डॉ. पाण्डुरङ्ग वामन काणे, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, उत्तरप्रदेश, लखनऊ.
- धर्मशास्त्र का बृहद् इतिहास, चौखम्बा ओरियन्टालिया, वाराणसी.
- धर्मशास्त्रस्येतिहासः, प्रो. जयकृष्णमिश्रः, चौखम्बा संस्कृत पुस्तकालय, वाराणसी.
- पराशरस्मृति, डॉ. माधवेन्द्र पाण्डेय, भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी.
- मनुस्मृतिः, हरगोविन्द शास्त्री, केशव किशोर कश्यप, चौखम्बा संस्कृत पुस्तकालय, वाराणसी.
- याज्ञवल्क्यस्मृतिः, उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी.
- History of Dharmasastra, P.V. Kane
- Dharmasastra and Human Rights, Ujjwala Jha, New Bharatiya Book Corporation

Ph.D.

Elective Course

COURSE CODE- **SNKT6008** **CREDIT - 04**

COURSE TITLE- पुराणेतिहासः

Course Objectives:

To mediate the Scholars the profound and recondite nature and significance of the Ancient Indian Scriptures and their validity as a systematic, logical and Scientific study with deductive reasoning in correlation between religious historical documents and presumptive cultural heritage reflecting the temper and spirit of the society to develop a critical observation of its practical acceptance and to ensure and strengthen a comprehensive review and accuracy of observations to develop a divergent analytical framework.

Course Contents:

1. Fundamental Principles of Research in Puranetihasa.
2. Tools and Methodology of Research in Puranetihasa.
3. Research Observations in Puranetihasa.

Recommended readings:

- अग्निपुराण, गीता प्रेस, गोरखपुर.
- कूर्मपुराण, गीता प्रेस, गोरखपुर.
- गरुडपुराण, गीता प्रेस, गोरखपुर.
- ब्रह्मवैवर्तपुराण, गीता प्रेस, गोरखपुर.
- भविष्यपुराण, गीता प्रेस, गोरखपुर.
- महाभारत, गीता प्रेस, गोरखपुर.
- मार्कण्डेय पुराण, गीता प्रेस, गोरखपुर.
- श्रीमद्भगवद्गीता, गीता प्रेस गोरखपुर.
- श्रीमद्भगवद्गीता, श्रीकृष्णपन्त शास्त्री, अच्युतग्रन्थमाला- कार्यालय, काशी.
- श्रीमद्भागवतमहापुराण, गीता प्रेस, गोरखपुर.
- स्कन्ध पुराण, पं श्रीराम शर्मा आचार्य, संस्कृति संस्थान, बरेली, उत्तर प्रदेश.
- The Purana Text of the Dynasties of the Kali Age with Introduction and Note by F.E. Pargiter.
- The Ramayana of Valmiki. Translated into English Verse by Ralph T. H. Griffith with a Memoir by M. N. Venkata swami
- Ramayana: Translated into English Prose from the Original Sanskrit of Valmiki by Manmatha Nath Dutta.